

- Substances) वे होते हैं जो ओजोन परत को कम से कम हानि पहुंचाते हैं। जैसे HCFC (Hydrochloro Fluoro Carban), HBFC (Hydro Bromo Fluoro Carban), HFC-134A आदि।
- समतापमण्डल (Stratosphere) में ओजोन का कवच (Ozoneshield) पाया जाता है, जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करता है।
 - पराबैंगनी किरणों (Ultraviolet Rays or U.V. Rays) से उत्पस्वितन (Mutation), त्वचा का कैंसर (Skin Cancer) तथा मोतियाबिन्द (Cataract) जैसे रोग होते हैं।
 - पराबैंगनी किरणें हमारी प्रतिरोधक क्षमता (Immunizing) पर कुप्रभाव डालती है। ओजोन कवच के न होने पर हमारा स्वास्थ्य तथा भोजन स्रोत भी प्रभावित होता है।
 - ओजोन की पहली परत को ओजोन छेद (Ozone Hole) भी कहते हैं।
 - स्ट्रेटोस्फीयर में क्लोरीन परमाणु के विसरण से ओजोन की कमी होती जाती है।
 - क्लोरिन का एक परमाणु 10000 ओजोन के अणुओं को नष्ट करता है।
 - क्लोरीन के परमाणु क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFC) के विघटन से बनते हैं।
 - सर्दियों में बंद कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर नहीं सोना चाहिए, क्योंकि अधिक कार्बन मोनोक्साइड युक्त वायु में सांस लेने में कठिनाई होती है और अन्त में श्वासावरोध (Asphyxia) के कारण मृत्यु भी हो सकती है।
 - मल-मूत्र से निकली विषैली गैसें भी मेन होलों से मिलकर छायादार वृक्षों का वृद्धिरोधन (Growth Inhibition), पूर्ण विलगन तथा उत्पादन में ह्रास लाती है।
 - शीशे (Lead) के कण प्रमुख रूप से तंत्रिका तंत्र (Nervous System) के रोग उत्पन्न करती है तथा इसके द्वारा मस्तिष्क प्रभावित होता है।
 - कैडमियम (Cadmium) श्वसन विष का कार्य करता है। जो रक्त दाब बढ़ाकर हृदय संबंधी बहुत से रोग उत्पन्न करता है।
 - आर्सेनिक से पशुचारा वाले पौधे विषाक्त हो जाते हैं जिसको खाने वाले पशुओं की मृत्यु हो सकती है।
 - जब वातावरण में फ्लुराइड्स की सान्द्रता बढ़ती है तो पत्तियों के सिरों तथा किनारों पर हरिमाहीनता अथवा ऊतकक्षय उत्पन्न होता है।
 - ओजोन के कारण लोगों को आंख के रोग, खांसी तथा सीने में समस्याएं होती हैं। इस प्रकार प्रदूषित वायु के कारण लोगों में एग्जीमा, मुहांसे तथा एंथ्रेक्स आदि रोग हो जाते हैं।
 - लौह-सकितमयता (Cyto Silicosis) रोग लोहे की खानों में काम करने वाले लोगों को लौह-अयस्क की धूल से सीलिका धूल ली जाने के कारण हो जाता है। इस रोग से लगभग 24 प्रतिशत खनिक प्रभावित है।
 - अम्ल वर्षा के कारण प्राचीन भवनों तथा मूर्तियों को गलने की प्रक्रिया को स्टोन लेप्रोसी कहते हैं।
 - एरोसोल नामक कणिकीय वायु प्रदूषण का आकार एक से दस माइक्रान तक होता है।
 - CO हिमोग्लोबिन की ऑक्सीजन वहन क्षमता कम कर देती है।
 - सुपरसोनिक जेट विमानों से नाइट्रोजन ऑक्साइड निकलती है जो ओजोन परत को पतली करती है।
 - प्रकाश-रासायनिक स्मॉग के अन्तर्गत नाइट्रोजन ऑक्साइड ओजोन तथा पैराक्वल ऐसीटाइल नाइट्रेट को शामिल करते हैं।
 - चर्मरोग एवं दमा पार्थेनियम (गाजर घास) के परागकण के कारण होता है।
 - मिथाइल आइसो साइनेट भोपाल गैस रिसाव त्रासदी की प्रमुख गैस थी।
 - कैडमियम के कारण ईटाई-ईटाई रोग होता है।
 - विश्व का सर्वाधिक प्रदूषित देश यू.एस.ए. है।
 - विश्व का सर्वाधिक प्रदूषित शहर टोकियो (जापान) है।
 - भारत में पहली बार सीसा रहित पेट्रोल की शुरुआत 1995 में चार महानगरों में शुरू किया गया।
 - लाइकेन्स वायुप्रदूषण के सबसे अच्छे सूचक हैं क्योंकि ये वायु प्रदूषण के प्रति संवेदी होते हैं तथा नगरों के समीप नहीं पाये जाते हैं।

- प्रथम और द्वितीय सर्वाधिक महत्वपूर्ण वायु प्रदूषण क्रमशः कार्बन मोनोक्साइड तथा सल्फर डाई-ऑक्साइड को माना जाता है।
- समताप मण्डल में ओजोन परत पाई जाती है।
- ग्रीन हाउस गैसों का प्रभाव क्रमशः CO_2 (55%), CFC (24%), CH_4 (15%) व N_2O (6%) होता है।
- शीशा रहित पेट्रोल में उचित ऑक्टेन प्राप्त करने के लिए बेन्जीन, टाल्यून एवं जाइलीन को मिलाया जाता है।
- हरित डीजल में सल्फर की मात्रा 0.001 प्रतिशत पाई जाती है।
- हरित डीजल का मानक यूरो-4 है
- एक माइक्रोमीटर से छोटे आकार वाले कणिकीय प्रदूषण को वायुमण्डल में फैलने से रोकने हेतु मुख्यरूप से इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर का प्रयोग किया जाता है।
- अम्लीय वर्षा में जल का PH-मान 4.2 से कम होता है।
- सिलिका तथा ऐसबेस्टस के धूल कणों से सिलिकोलिस तथा ऐसबेस्टोसिस नामक रोग होता है।

